अनुक्रमांक

नाम

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 11

102

302(HJ)

2025

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 100**

नोट :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न–पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

(ii) इस प्रश्न–पत्र में दो खण्ड हैं । दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

खण्ड – 'क'

1. (क) 'पाणिनीकालीन भारतवर्ष' नामक कृति के लेखक हैं : 1

(A) बालकृष्ण भट्ट

(B) राधाचरण गोस्वामी

(C) डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल

(D) राजा लक्ष्मण सिंह

(ख) द्विवेदीयुगीन लेखक हैं : 1

(A) रायकृष्ण दास

(B) अध्यापक पूर्ण सिंह

(C) चतुरसेन शास्त्री

(D) उदयशंकर भट्ट

(ग) रामचन्द्र शुक्ल लिखित कहानी है :

(A) राजा भोज का सपना

(B) इन्दुमती

(C) एक टोकरी भर मिट्टी

(D) ग्यारह वर्ष का समय

(घ) 'जहाज का पंछी' रचना की विधा है :

(A) उपन्यास

(B) नाटक

(C) कहानी

(D) आत्मकथा

(ङ) 'आनन्द कादम्बिनी' के सम्पादक थे :

(A) बालकृष्ण भट्ट

(B) रामनाथ 'सुमन'

(C) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'

(D) अमृतराय

2. (क) 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल' – यह कथन है :

(A) महावीरप्रसाद द्विवेदी

(B) बालमुकुन्द गुप्त

(C) वियोगी हरि

(D) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(ख) 'कितनी नावों में कितनी बार' के रचयिता हैं : 1

(A) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(B) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(C) सुमित्रानन्दन पन्त

(D) 'अज्ञेय'

(ग) छायावादयुगीन कवि हैं : 1

(A) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(B) प्रतापनारायण मिश्र

(C) जयशंकर प्रसाद

(D) श्रीधर पाठक

(घ) भारतेन्दुयुगीन रचना है : 1

(A) आनन्द अरुणोदय

(B) कामायनी

(C) साकेत

(D) भारत बारहमासा

(ङ) जयशंकर प्रसाद की काव्यकृति है : 1

(A) 'अनामिका'

(B) 'चित्राधार'

(C) 'ग्राम्या'

(D) 'दीपशिखा'

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 x 2 = 1

मातृभूमि पर निवास करने वाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अंग हैं । पृथ्वी हो और मनुष्य न हों तो राष्ट्र की कल्पना असम्भव है । पृथ्वी और जन दोनों के सम्मिलन से ही राष्ट्र का स्वरूप सम्पादित होता है । जन के कारण ही पृथ्वी मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है । पृथ्वी माता है और जन सच्चे अर्थों में पृथ्वी का पुत्र है –

(माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः ।)

– भूमि माता है और मैं उसका पुत्र हूँ ।

जन के हृदय में इस सूत्र का अनुभव ही राष्ट्रीयता की कुञ्जी है । इसी भावना से राष्ट्र–निर्माण के अंकुर उत्पन्न होते हैं ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) राष्ट्र की कल्पना कब तक असम्भव है ?

(iv) पृथ्वी किसके कारण मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है ?

(v) पृथ्वी और जन दोनों मिलकर क्या-क्या करते हैं ?

अथवा

भाषा की साधारण इकाई शब्द है, शब्द के अभाव में भाषा का अस्तित्व ही दुरूह है । यदि भाषा में विकसनशीलता शुरू होती है तो शब्दों के स्तर पर ही । दैनन्दिन सामाजिक व्यवहारों में हम कई ऐसे नवीन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, जो अंग्रेजी, अरबी, फारसी आदि विदेशी भाषाओं से उधार लिये गए हैं । वैसे ही नये शब्दों का गठन भी अनजाने में अनायास ही होता है । ये शब्द अर्थात् उन विदेशी भाषाओं से सीधे अविकृत ढङ्ग से उधार लिये गए शब्द भले ही कामचलाऊ ढंग से प्रयुक्त हों, साहित्यिक दायरे में कदापि ग्रहणीय नहीं । https://www.upboardonline.com

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) भाषा की साधारण इकाई क्या है ?

(iv) दैनिक व्यवहार में हम किन शब्दों का प्रयोग करते हैं ?

(v) 'दैनन्दिन' और 'अविकृत' शब्द का अर्थ लिखिए ।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

नील परिधान बीच सुकुमार

खुल रहा मृदुल अधखुला अंग,

खिला हो ज्यों बिजली का फूल

मेघ–वन बीच गुलाबी रंग ।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) उपर्युक्त पद्यांश में किसके सौन्दर्य का वर्णन किया गया है ?

(iii) बिजली के फूल से क्या तात्पर्य है ?

(iv) 'परिधान' और 'मृदुल' शब्द किसके पर्यायवाची शब्द हैं ?

(v) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

मैं कब कहता हूँ जग मेरे दुर्धर गति के अनुकूल बने,

मैं कब कहता हूँ जीवन–मरु नन्दन–कानन का फूल बने ?

काँटा कठोर है तीखा है, उसमें उसकी मर्यादा है,

मैं कब कहता हूँ वह घटकर प्रांतर का ओछा फूल बने ?

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) 'दुर्धर' और 'प्रांतर' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

(iii) 'जीवन–मरु नन्दन–कानन का फूल' में कौन सा अलङ्कार है ?

(iv) उपर्युक्त पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए ।

(v) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 3 + 2 = 5

(i) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(iii) हरिशंकर परसाई

(iv) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : 3 + 2 = 5

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) सुमित्रानन्दन पन्त

(iii) महादेवी वर्मा

(iv) 'अज्ञेय'

6. 'लाटी' कहानी का कथासार अपने शब्दों में लिखिए। (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 5

अथवा

'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)

स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए :

(अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 5

(क) (i) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) (i) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथानक लिखिए ।

(ii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्ष का चरित्रांकन कीजिए ।

(ग) (i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'आखेटक' सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(ii) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(घ) (i) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(ङ) (i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्राङ्कन कीजिए ।

(ii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए ।

(च) (i) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

(ii) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

खण्ड – 'ख'

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांश का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

धन्योऽयं भारतदेशः यत्र समुल्लसति जनमानसपावनी, भव्यभावोद्भाविनी, शब्द-सन्दोह-प्रसविनी सुरभारती । विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्याः वाङ्मयं सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते । इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति ।

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन् । परमद्य इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्परमैत्रीसहयोगकारणानि, विश्वबन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति । राष्ट्रनायकस्य जवाहरलालमहोदयस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले चीनदेशेन सहभारतस्य मैत्री पञ्चशीलसिद्धान्तानधिकृत्य एवाभवत् ।

https://www.upboardonline.com

(ख) दिये गये संस्कृत पद्यांश का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम् ।
वृणुते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धाः स्वयमेव सम्पदः ।।

अथवा

विरलविरलाः स्थूलास्ताराः कलाविव सज्जनाः
मन इव मुनेः सर्वत्रैव प्रसन्नमभून्नभः ।।
अपसरति च ध्वान्तं चित्तात्सतामिव दुर्जनः
व्रजति च निशा क्षिप्रं लक्ष्मीरनुद्यमिनामिव ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों एवं लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) अंधे के हाथ बटेर लगना

(ii) गिरगिट की तरह रंग बदलना

(iii) अन्त भला तो सब भला

(iv) जंगल में मोर नाचा किसने देखा

10. अपठित पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक पत्थर में
चमकता हीरा है,
हर-एक छाती में आत्मा अधीरा है,
प्रत्येक सुष्मित में विमल सदानीरा है,
मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक वाणी में
महाकाव्य पीड़ा है,

(i) उपर्युक्त पद्यांश में कवि ने क्या सन्देश दिया है ? 1

(ii) 'मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक पत्थर में चमकता हीरा है ।' इसका आशय स्पष्ट कीजिए । 2

(iii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए । 2

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) अंस-अंश 1

(A) पूर्ण और भाग (B) कन्धा और हिस्सा

(C) भाग और कन्धा (D) इनमें से कोई नहीं

(ii) वात-बात 1

(A) हवा और वार्ता (B) पवन और निश्चल

(C) अनल और वायु (D) इनमें से कोई नहीं

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) सुरभि

(ii) वारिद

(iii) नीरज

(iv) विधि

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) जिसका कहीं भी अन्त न हो

(A) अनन्त (B) अगण्य

(C) असंख्य (D) इनमें से कोई नहीं

(ii) 'जो बूढ़ा न हो'

(A) अमर (B) अखण्ड

(C) अजर (D) इनमें से कोई नहीं

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 =

(i) मीरा कृष्ण भक्त कवियित्री है ।

(ii) मेरा बाल सफेद हो रहा है ।

(iii) वह नदी को गया ।

(iv) मोहन मेरा कनिष्ट भ्राता है ।

12. (क) 'हास्य' **अथवा** 'शान्त' रस का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 =

(ख) 'यमक' **अथवा** 'उपमा' अलंकार का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 =

(ग) 'सोरठा' **अथवा** 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 =

13. अपनी गली/मोहल्ले की नालियों की सफाई हेतु नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए। 6

अथवा

बैंक से किसी व्यवसाय को करने के लिए ऋण प्राप्ति हेतु आवेदन-पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7 = 9

(i) बेरोज़गारी की समस्या और समाधान

(ii) साहित्य समाज का दर्पण है

(iii) राष्ट्रीय एकता – वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता

(iv) पर्यावरण संरक्षण का महत्त्व

(v) विज्ञान वरदान है या अभिशाप